Divya Himachal Dt.11-08-2026

बोर्ड परीक्षाओं के साथ होगी नीट-जेईई की तैयारी

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड तैयार कर रहा विशेष प्रश्न बैंक

■ बोर्ड चेयरमैन डा. राजेश शर्मा बोले सुनहरा होगा छात्रों का भविष्य

दिव्य हिमाचल ब्यूरो– धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए राहत भरी खबर है। अब विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं के साथ नीट और जेईई जैसी कठिन राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अलग से भटकना नहीं पड़ेगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड छात्रों के सुनहरे भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक ऐतिहासिक पहल करने जा रहा है। बोर्ड द्वारा इन प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक विशेष प्रश्न बैंक तैयार किया जा रहा है, जिससे स्कूली शिक्षा के साथ ही छात्रों को व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण अभ्यास सामग्री मिल सके। स्कूल शिक्षा बोर्ड के

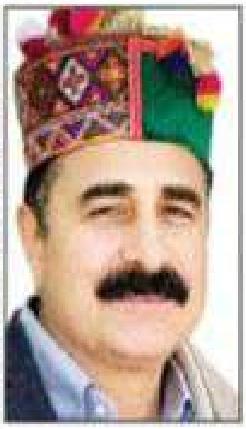

चेयरमैन डा. राजेश शर्मा ने कहा कि इस प्रस्तावित प्रश्न बैंक का मुख्य उद्देश्य रटने की बजाय विद्यार्थियों की विषयगत और अवधारणात्मक कांसेप्चुअल समझ को मजबूत करना है। विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए जा रहे इस बैंक में विशेष रूप से ऐसे प्रश्नों को शामिल किया जाएगा, जो छात्रों की तार्किक क्षमता और समस्या-समाधान कौशल को निखारेंगे। इस अहम योजना को लेकर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. राजेश शर्मा ने कहा कि आज के इस भारी प्रतिस्पर्धा वाले दौर में विद्यार्थियों की तैयारी को केवल बोर्ड परीक्षाओं तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास है कि हिमाचल के विद्यार्थियों को नीट-जेईई और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बोर्ड स्तर पर ही उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री और अभ्यास के अवसर उपलब्ध करवाए जाएं। यह विशेष प्रश्न बैंक छात्रों की मूल अवधारणाओं को मजबूत करने के साथ उन्हें अपेक्षित स्तर से परिचित करवाने में अत्यधिक सहायक होगा। बोर्ड की यह पहल विशेष रूप से प्रदेश के ग्रामीण, दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों में पढ़ने वाले उन छात्रों के लिए अत्यधिक उपयोगी साबित होगी, जो संसाधनों के अभाव में अकसर पीछे रह जाते हैं।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

विशेष प्रश्न बैंक तैयार कर रहा बोर्ड, ग्रामीण छात्रों को घर-द्वार पर मिलेगा प्रतियोगी परीक्षाओं का अभ्यास

अवधारणाओं और तर्क पर आधारित होंगे सवाल

सवेरा न्यूज/ यशपाल सिंह

धर्मशाला, 10 अगस्त: हिमाचल के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अब बोर्ड परीक्षा के साथ नीट-जेईई जैसी राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अलग से भटकना नहीं पड़ेगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड विशेष प्रश्न बैंक तैयार कर रहा है। इसमें प्रतियोगी परीक्षाओं के स्तर के ऐसे सवाल शामिल किए जाएंगे, जो विद्यार्थियों की विषय समझ, तर्क क्षमता और सवाल हल करने की क्षमता को मजबूत करेंगे। प्रश्न बैंक में सीधे रटने वाले सवालों के बजाय अवधारणाओं पर आधारित प्रश्न रखे जाएंगे। विशेषज्ञ प्रश्नों की विषय-वस्तु, कठिनाई स्तर और संरचना तैयार कर रहे हैं। नियमित अभ्यास से विद्यार्थियों को नीट-जेईई की कठिन प्रश्न-पद्धति समझने में मदद मिलेगी। इस पहल का सबसे ज्यादा फायदा ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को मिलेगा। संसाधनों और महंगी कोचिंग की कमी के कारण इन क्षेत्रों के कई विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में पीछे रह जाते हैं। स्कूल स्तर पर प्रश्न बैंक मिलने से उन्हें बेहतर अभ्यास सामग्री उपलब्ध हो सकेगी।

आज के प्रतिस्पर्धा के दौर में विद्यार्थियों की तैयारी केवल बोर्ड परीक्षाओं तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। बोर्ड का प्रयास है कि विद्यार्थियों को नीट, जेईई और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री स्कूल स्तर पर ही मिले। प्रश्न बैंक विद्यार्थियों की बुनियादी अवधारणाएं मजबूत करने में मदद करेगा।

डॉ . राजेश शर्मा, चेयरमैन, प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड।

Tue, 11 August 2026
epaper.dainiksaveratimes.in/c/80669083

डिजिटल अखबार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज़
10 अगस्त, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
पहली नज़र
आज की ताज़ा ख़बर देखते रहिए डिजिटल न्यूज़ पेपर पहली नज़र के साथ

अब बोर्ड परीक्षाओं के साथ होगी नीट-जेईई की तैयारी, स्कूल शिक्षा बोर्ड तैयार कर रहा स्पेशल 'प्रश्न बैंक'

ग्रामीण और दूरदराज के छात्रों के लिए वरदान साबित होगी यह पहल

स्कूल स्तर पर ही मिलेगा राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं का मजबूत आधार

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। अब विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ NEET और JEE जैसी कठिन राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अलग से भटकना नहीं पड़ेगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड छात्रों के सुनहरे भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक ऐतिहासिक पहल करने जा रहा है। बोर्ड द्वारा इन प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक 'विशेष प्रश्न बैंक' तैयार किया जा रहा है, ताकि स्कूली शिक्षा के साथ ही छात्रों को व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण अभ्यास सामग्री मिल सके। इस योजना पर प्रक्रिया तेजी से चल रही है।

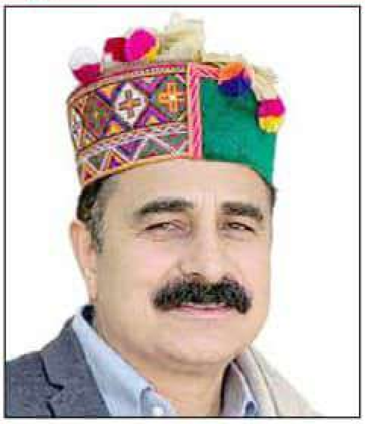

इस प्रस्तावित प्रश्न बैंक का मुख्य उद्देश्य रटने की बजाय विद्यार्थियों की विषयगत और अवधारणात्मक (कांसेप्चुअल) समझ को मजबूत करना है। विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए जा रहे इस बैंक में विशेष रूप से ऐसे प्रश्नों को शामिल किया जाएगा जो छात्रों की तार्किक क्षमता (लॉजिकल रीजनिंग) और समस्या-समाधान (प्रॉब्लम-सॉल्विंग) कौशल को निखारेंगे। बोर्ड का मानना है कि नियमित अभ्यास से छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की कठिन प्रश्न-पद्धति को समझने में आसानी होगी।

इस अहम योजना को लेकर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि आज के इस भारी प्रतिस्पर्धा वाले दौर में विद्यार्थियों की तैयारी को केवल बोर्ड परीक्षाओं तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारा प्रयास है कि हिमाचल के विद्यार्थियों को NEET, JEE और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बोर्ड स्तर पर ही उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री और अभ्यास के अवसर उपलब्ध करवाए जाएं। यह विशेष प्रश्न बैंक छात्रों की मूल अवधारणाओं को मजबूत करने के साथ उन्हें अपेक्षित स्तर से परिचित करवाने में अत्यधिक सहायक होगा।'

शिक्षा का उद्देश्य है विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना

बोर्ड की यह पहल विशेष रूप से प्रदेश के ग्रामीण, दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों में पढ़ने वाले उन छात्रों के लिए अत्यधिक उपयोगी साबित होगी, जो संसाधनों के अभाव में अक्सर पीछे रह जाते हैं। डॉ. शर्मा ने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है। वर्तमान में इस प्रश्न बैंक की विषय-वस्तु, प्रश्नों की गुणवत्ता और उसकी संरचना पर विशेषज्ञ स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसके पूर्ण होते ही बोर्ड द्वारा छात्रों के लिए इसे उपलब्ध करवाने की विस्तृत जानकारी साझा कर दी जाएगी। HPBOSE का लक्ष्य है कि प्रदेश के युवा मजबूत नींव और पूरे आत्मविश्वास के साथ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएं।

Amar Ujala Dt.11-08-2026

स्कूल शिक्षा बोर्ड बनाएगा प्रश्न बैंक नीट-जेईई की तैयारी में मिलेगी मदद

बोर्ड परीक्षाओं के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के पैटर्न से परिचित होंगे विद्यार्थी, समझ पर फोकस

अमर उजाला ब्यूरो

धर्मशाला। प्रदेश के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को अब बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ नीट और जेईई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभ्यास सामग्री मिलेगी। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड इसके लिए विशेष प्रश्न बैंक तैयार कर रहा है।

शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षा के दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं के पैटर्न से परिचित कराना और उनके अनुरूप अभ्यास के अवसर देना है। प्रस्तावित प्रश्न बैंक में विद्यार्थियों की रटने की प्रवृत्ति के बजाय विषय की अवधारणात्मक समझ को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा।

इसमें ऐसे प्रश्न शामिल होंगे, जो विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता, समस्या समाधान कौशल और विषयगत समझ को विकसित करने में मदद करेंगे। नियमित अभ्यास से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में पूछे जाने वाले कठिन प्रश्नों की प्रकृति समझने में मदद मिलेगी। यह पहल ग्रामीण, दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि संसाधनों की कमी के कारण इन क्षेत्रों के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बोर्ड का प्रयास है कि गांव-देहात के विद्यार्थियों को भी स्कूल स्तर पर अतिरिक्त अभ्यास सामग्री उपलब्ध करवाकर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाए।

तकनीकी शिक्षा : 1986 के बाद के डिप्लोमा होंगे डिजिटल

विपिन चौधरी

धर्मशाला। तकनीकी शिक्षा बोर्ड ने अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए वर्ष 1986 के बाद जारी डिप्लोमा का रिकॉर्ड ऑनलाइन करने की दिशा में कदम उठाया है। इसके अलावा वर्ष 2010 के बाद जारी सभी प्रमाणपत्रों को डिजिलॉकर पर उपलब्ध करवा दिया है। इससे अभ्यर्थियों को शैक्षणिक दस्तावेज सुरक्षित रखने और जरूरत पड़ने पर ऑनलाइन प्राप्त करने में सुविधा होगी।

अब डिप्लोमा गुम होने, फटने या खराब होने की स्थिति में अभ्यर्थियों को दस्तावेज की प्रति हासिल करने के लिए बार-बार बोर्ड कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। डिजिलॉकर में प्रमाणपत्रों का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध होने से दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया भी आसान होगी। बोर्ड की ओर से अभ्यर्थियों से जुड़े अधिकतर कार्यों को ऑनलाइन करने पर भी जोर दिया जा रहा है। इससे प्रमाणपत्र, रिकॉर्ड और अन्य सेवाओं के लिए कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से पहुंचने की आवश्यकता कम हुई है। अभ्यर्थी घर बैठे ऑनलाइन कई सेवाओं का लाभ उठा पा रहे हैं।

पिछले तीन वर्षों में बोर्ड ने कार्यप्रणाली में कई बदलाव किए हैं। डिजिटल रिकॉर्ड, डिजिलॉकर, ऑनलाइन सेवाओं और कंप्यूटर आधारित परीक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने से अभ्यर्थियों को सुविधाएं मिल रही हैं। बोर्ड का फोकस अब अधिक से अधिक सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध करवाकर अभ्यर्थियों को कार्यालय आने की परेशानी से राहत देने पर है।

दस्तावेज गुम या खराब होने पर नहीं लगाने पड़ेंगे बोर्ड कार्यालय के चक्कर

बोर्ड वर्ष 1986 के बाद जारी किए गए सभी डिप्लोमा को डिजिटल रूप में उपलब्ध करवाने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2010 के बाद के सभी डिप्लोमा-डीएमसी को डिजिलॉकर पर उपलब्ध करवा दिया गया है।

-रविंद्र शर्मा, सचिव (अतिरिक्त प्रभार), तकनीकी शिक्षा बोर्ड

2010
के बाद के सर्टिफिकेट डीजी लॉकर पर उपलब्ध

ANANT GYAN Dt.11-08-2026

अब बोर्ड की परीक्षाओं के साथ होगी नीट, जेईई की तैयारी, शिक्षा बोर्ड तैयार कर रहा स्पेशल 'प्रश्न बैंक'

◆ ग्रामीण व दूरदराज के छात्रों के लिए वरदान साबित होगी यह पहलः डॉ. राजेश शर्मा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। अब विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ नीट, जेईई जैसी कठिन राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अलग से भटकना नहीं पड़ेगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड छात्रों के सुनहरे भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक ऐतिहासिक पहल करने जा रहा है। बोर्ड द्वारा इन प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक 'विशेष प्रश्न बैंक' तैयार किया जा रहा है, ताकि स्कूली शिक्षा के साथ ही छात्रों को व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण अभ्यास सामग्री मिल सके। इस योजना पर प्रक्रिया तेजी से चल रही है।

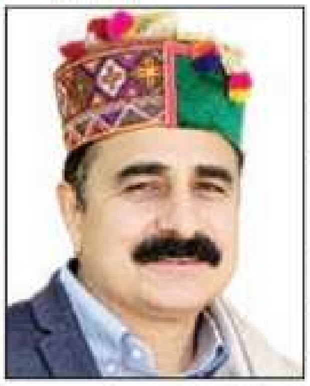

इस प्रस्तावित प्रश्न बैंक का मुख्य उद्देश्य रटने की बजाय विद्यार्थियों की विषयगत और अवधारणात्मक (कांसेप्चुअल) समझ को मजबूत करना है। विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए जा रहे इस बैंक में विशेष रूप से ऐसे प्रश्नों को शामिल किया जाएगा जो छात्रों की तार्किक क्षमता (लॉजिकल रीजनिंग) और समस्या-समाधान (प्रॉब्लम-सॉल्विंग) कौशल को निखारेंगे। बोर्ड का मानना है कि नियमित अभ्यास से छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की कठिन प्रश्न-पद्धति को समझने में आसानी होगी।

इस अहम योजना को लेकर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि आज के इस भारी प्रतिस्पर्धा वाले दौर में विद्यार्थियों की तैयारी को केवल बोर्ड परीक्षाओं तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारा प्रयास है कि हिमाचल के विद्यार्थियों को नीट, जे ई ई और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बोर्ड स्तर पर ही उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री और अभ्यास के अवसर उपलब्ध करवाए जाएं। यह विशेष प्रश्न बैंक छात्रों की मूल अवधारणाओं को मजबूत करने के साथ उन्हें अपेक्षित स्तर से परिचित करवाने में अत्यधिक सहायक होगा।'

बोर्ड की यह पहल विशेष रूप से प्रदेश के ग्रामीण, दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों में पढ़ने वाले उन छात्रों के लिए अत्यधिक उपयोगी साबित होगी, जो संसाधनों के अभाव में अक्सर पीछे रह जाते हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है। वर्तमान में इस प्रश्न बैंक की विषय-वस्तु, प्रश्नों की गुणवत्ता और उसकी संरचना पर विशेषज्ञ स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसके पूर्ण होते ही बोर्ड द्वारा छात्रों के लिए इसे उपलब्ध करवाने की विस्तृत जानकारी साझा कर दी जाएगी।

APKA FAISLA Dt. 11-08-2026

अब बोर्ड परीक्षाओं के साथ होगी नीट-जेईई की तैयारी

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। अब विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ NEET और JEE जैसी कठिन राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अलग से भटकना नहीं पड़ेगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड छात्रों के सुनहरे भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक ऐतिहासिक पहल करने जा रहा है। बोर्ड द्वारा इन प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक विशेष प्रश्न बैंक तैयार किया जा रहा है, ताकि स्कूली शिक्षा के साथ ही छात्रों को व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण अभ्यास सामग्री मिल सके। इस योजना पर प्रक्रिया तेजी से चल रही है। इस प्रस्तावित प्रश्न बैंक का मुख्य उद्देश्य रटने की बजाय विद्यार्थियों की विषयगत और अवधारणात्मक (कांसेप्चुअल) समझ को मजबूत करना है। विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए जा रहे इस बैंक में विशेष रूप से ऐसे प्रश्नों को शामिल किया जाएगा, जो छात्रों की तार्किक क्षमता (लॉजिकल रीजनिंग) और समस्या-समाधान (प्रॉब्लम-सॉल्विंग) कौशल को निखारेंगे। बोर्ड का मानना है कि नियमित अभ्यास से छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की कठिन प्रश्न-पद्धति को समझने में आसानी होगी। इस अहम योजना को लेकर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि आज के इस भारी प्रतिस्पर्धा वाले दौर में विद्यार्थियों की तैयारी को केवल बोर्ड परीक्षाओं तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि हिमाचल के विद्यार्थियों को NEET, JEE और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बोर्ड स्तर पर ही उच्च गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री और अभ्यास के अवसर उपलब्ध करवाए जाएं। यह विशेष प्रश्न बैंक छात्रों की मूल अवधारणाओं को मजबूत करने के साथ उन्हें अपेक्षित स्तर से परिचित करवाने में अत्यधिक सहायक होगा। बोर्ड की यह पहल विशेष रूप से प्रदेश के ग्रामीण, दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों में पढ़ने वाले उन छात्रों के लिए अत्यधिक उपयोगी साबित होगी, जो संसाधनों के अभाव में अक्सर पीछे रह जाते हैं। डॉ. शर्मा ने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है। वर्तमान में इस प्रश्न बैंक की विषय-वस्तु, प्रश्नों की गुणवत्ता और उसकी संरचना पर विशेषज्ञ स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसके पूर्ण होते ही बोर्ड द्वारा छात्रों के लिए इसे उपलब्ध करवाने की विस्तृत जानकारी साझा कर दी जाएगी। HPBOSE का लक्ष्य है कि प्रदेश के युवा मजबूत नींव और पूरे आत्मविश्वास के साथ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएं।

Himachal Dastak Dt. 11-08-2026

बोर्ड परीक्षाओं के साथ अब नीट-जेईई की तैयारी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं के साथ नीट और जेईई जैसी राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर देने के लिए विशेष प्रश्न बैंक तैयार कर रहा है। इसमें विद्यार्थियों की विषयगत और अवधारणात्मक समझ के साथ तार्किक क्षमता व समस्या समाधान कौशल को मजबूत करने वाले प्रश्न शामिल किए जाएंगे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्कूल स्तर पर ही प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए गुणवत्तापूर्ण अभ्यास सामग्री उपलब्ध करवाना है। ये प्रश्न बैंक विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

AUGUST 11, 2026 TUESDAY

DHARAMSHALA

The Sunny Times

HP BOARD TAKES ON COACHING GIANTS: ELITE NEET-JEE PREP NOW IN REGULAR CLASSROOMS

Sunny Mahajan | Dharamshala

High-stakes entrance exams like NEET and JEE are about to become far more accessible for students across Himachal Pradesh. Breaking away from the heavy reliance on expensive private coaching, the Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) is rolling out a specialized, high-impact question bank. This ambitious initiative will seamlessly integrate national-level competitive exam preparation directly into the regular school curriculum, giving students a formidable academic edge without forcing them to look outside their own classrooms.

This bold move signals a decisive shift away from outdated rote memorization, focusing instead on deep conceptual mastery. A dedicated team of subject experts is meticulously designing the new curriculum to rigorously sharpen logical reasoning and intensive problem-solving skills. By exposing students to the notoriously demanding formats of the NEET and JEE during their standard coursework, the board is ensuring they are completely battle-ready for the actual tests.

HPBOSE Chairman Dr. Rajesh Sharma made it clear that surviving in today's hyper-competitive educational landscape requires much more than simply passing standard board exams. He emphasized the board's commitment to delivering elite-tier study materials straight to government and state-board schools, ensuring students genuinely grasp core concepts rather than just chasing high marks on a report card. The ultimate goal, he noted, is to equip students with the intellectual firepower needed to confidently tackle high-level future challenges.

This initiative promises to be an absolute game-changer, especially for brilliant minds in rural, remote, and border areas who are frequently sidelined simply due to a lack of financial resources and coaching infrastructure. The structural and qualitative groundwork for the question bank is currently in its final stages of expert review, with a full rollout expected soon. Once launched, this powerful academic tool will finally give the youth of Himachal Pradesh the equal footing they deserve to step up and dominate on the national stage.